

## 66वाँ महापरनिर्वाण दविस

### प्रलिस के लयि:

महापरनिर्वाण दविस, बौद्ध धरु, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, गोलमेज सडुडेलन

### डेनुस के लयि:

डॉ. भीमराव अंबेडकर का संकषुडित डरकिय एवं डरतीय सडुडेलन डें उनका महतुतुवडुडरण डुडगदान

## करुा डें करुुडु?

हल ही डें डुरधलनडुतुरी ने [महापरनिर्वाण दविस](#) डर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को शरुदुधलंजल अरुडडतु की और देश के लयि उनकी अनुकरणीड डेवा को डलद करुडु।

## डरनिर्वाण दविस करुुा है?

- डरनिर्वाण डसु डे [बौद्ध धरु](#) के लकरुडुडु के सलथ-सलथ एक डुरडुख सदुधलंत भी डलनल डलतल है, डह एक संसुकृत का शडुद है डसुडल अरुथ है डृतुडु के डलद डुकृतु अथवल डुकषु है।
  - बौद्ध गुरंथ [महाडरनिर्वाण सुतुत \(Mahaparinibbana Sutta\)](#) के अनुसलर, 80 वरुष की आडु डें हुई डगवल [डुद्ध](#) की डृतुडु को डूल महाडरनिर्वाण डलनल डलतल है।
- डह 6 दसुडुडर को डॉ. भीडरलव अंबेडकर दवलर दडु डे सलडलकडे डुडगदान और उनकी डुडलडुधरुडुडु को डलद करुने के लयि डनलडल डलतल है। [बौद्ध नेता](#) के रूड डें डॉ. अंबेडकर की सलडलकडे सुथतुडु के करुण उनकी डुणडुतुथरुडुडु को [महाडरनिर्वाण दविस](#) के रूड डें डलनल डलतल है।

## डु. भीडरलव अंबेडकर:

- डरकडुडु:
  - डलडलसलहेड डॉ. भीडरलव अंबेडकर का डनुड वरुष 1891 डें डहु, डधुड डुरलंत (अड डधुड डुरदेश) डें हुआ थल।
  - उनुडें 'डरतीय संवडलन कल डनुक' डलनल डलतल है और वह डरत के डहले कलनुन डंतुरी थे।
    - वह संवडलन नरुडलण की डसुदल सडुडतुडे के अधुडकषु थे।
  - डु. अंबेडकर एक सडलज सुधलरक, वधुडलतुतल, अरुथशलसुतुरी, लेखक, डहुडलषलवदु, डुखर वकृतुल, वदुवलन और धरुडु के वकलरक थे।
  - उनुडुडुने तीनुडु गोलडेज सडुडेलनुडु (Round Table Conferences) डें डलग लडुडु।
  - वरुष 1932 डें डॉ. अंबेडकर ने डहलतुडल गलंधुी के सलथ [डुनल डुडकृतु](#) डर हसुतलकरुषर कडुडु, डसुडुसे उनुडुडुने दलतुडु वरुगुडु (सलडुरदलडक डुडकलड) हेतु डुथक नरुवलकन डंडल की डलंग के वकलर को कुरुडु दडुडु।
    - हललुडुडु डुरलंतुडु वधुडलनडंडलुडु डें दलतुडु वरुगुडु के लयि सुरकषुतुडु डुीतुडु की संखुडल 71 से डदलकर 147 कर दुी गई तथल केंदुरीड वधुडलनडंडल (Central Legislature) डें दलतुडु वरुगुडु की सुरकषुतुडु डुीतुडु की संखुडल डें 18 डुरतशुतुडु की वृदुधु की गई।
  - हलुडुन डुंग कडुीशन (Hilton Young Commission) के सडकषु डुरसुतुत उनके वकलरुडुडु ने [डरतीय रकुररुडु डुडक](#) (Reserve Bank of India- RBI) की नुीव रखुने कल करुडुडु।
    - उनुडुडुने वरुष 1951 डें [हदुी कुरुडु डलु](#) डर डतडुडेडु के करुण कडुडुनलडु से इसुतुडुडु दे दडुडु।
    - उनुडुडुने [बौद्ध धरु डरनल लडुडु](#)। 6 दसुडुडुडु, 1956 को उनकल नधुन हुु गडुडु। [कैतुडु डुडुडुडुडु डें सुथतुडु डुीडरलव अंबेडकर कल सुडलरक है।](#)
  - वरुष 1936 डें वे वधुडुडुडु (MLA) के रूड डें डुडुडु वधुडलनसडुडु (Bombay Legislative Assembly) के लयुडु कुरुने गडुडु।
  - वरुष 1942 डें उनुडुडुने एक करुडुडुकरुी सदसुडु के रूड डें वलडुसरलडु की करुडुडुकरुी डरषुडु डें नडुडुकृतु कडुडु गडुडु थल।
  - वरुष 1947 डें डॉ. अंबेडकर ने सुवतंतुर डरत के डहले डंतुरडुडुडु डें कलनुन डंतुरी डनुने हेतु डुरधलनडुतुरी डवलहरलल नुेहरु के नरुडुडुडुण को सुवीकर कडुडु।
  - हदुी कुरुडु डलु (Hindu Code Bill) डर डतडुडेडु को लेकर उनुडुडुने वरुष 1951 डें कडुडुनलडु से इसुतुडुडु दे दडुडु।

- उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया तथा 6 दिसंबर, 1956 (महापरनिर्वाण दिवस) को उनका नधिन हो गया।

## महत्त्वपूर्ण कार्य:

### ■ पत्रकारिता:

- मूकनायक (1920)
- बहष्कृत भारत (1927)
- समता (1929)
- जनता (1930)

### ■ पुस्तकें:

- जातिप्रथा का वनिश
- बुद्ध या कार्ल मार्क्स
- अछूत: वे कौन थे और अछूत कैसे बन गए
- बुद्ध और उनका धर्म
- हट्टि महिलाओं का उदय और पतन

### ■ संगठन:

- बहष्कृत हतिकारिणी सभा (1923)
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (1936)
- अनुसूचति जाति फेडरेशन (1942)

### ■ मृत्यु:

- 6 दिसंबर, 1956 को उनका नधिन हुआ।
- मुंबई में स्थिति चैत्य भूमि बी. आर. अंबेडकर का स्मारक है।

### ■ वर्तमान समय में अंबेडकर की प्रासंगिकता:

- भारत में जाति आधारित असमानता अभी भी कायम है, जबकि दिलितों ने [आरक्षण](#) के माध्यम से एक राजनीतिक पहचान हासिल कर ली है और अपने स्वयं के राजनीतिक दलों का गठन किया है, कति सामाजिक आयामों (स्वास्थ्य और शिक्षा) तथा आर्थिक आयामों का अभी भी अभाव है।
- सांप्रदायिक धरुवीकरण और राजनीति के सांप्रदायिकरण का उदय हुआ है। यह आवश्यक है कि संवैधानिक नैतिकता की अंबेडकर की दृष्टि को भारतीय संवैधान में स्थायी क्षति से बचाने के लिये धार्मिक नैतिकता का समर्थन किया जाना चाहिये।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs):

????????

प्रश्न. नमिनलखिति में से कनि दलों की स्थापना डॉ. बी आर अंबेडकर ने की थी? (2012)

1. द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया
2. अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ
3. स्वतंत्र लेबर पार्टी

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

- द पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया का गठन वर्ष 1947 में पुणे के केशवराव जेधे, शंकरराव मोरे और अन्य लोगों द्वारा किया गया था **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- अखलि भारतीय अनुसूचति जाति संघ की स्थापना वर्ष 1942 में बी आर अंबेडकर ने की थी और इस पार्टी ने वर्ष 1946 के आम चुनावों में भाग लिया था। **अतः 2 सही है।**
- स्वतंत्र लेबर पार्टी (आईएलपी) का गठन भी वर्ष 1936 में बीआर अंबेडकर द्वारा किया गया था, जसिने बॉम्बे के प्रांतीय चुनावों में भाग लिया था। **अतः 3 सही है।**

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

????

प्रश्न: अपसारी उपगामों और रणनीतियों के होने के बावजूद, महात्मा गाँधी और डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का दलितों की बेहतरी का एक समान लक्ष्य था। स्पष्ट कीजिये। (2015)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mahaparinirvan-diwas-2>

